Date:	Question bank - 3	Subject:Hindi
Class:VI	सादगी की मूरत	Max. Marks

* निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

१ राजेंद्र बाबू के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं ?

२ लेखिका के मन में अनेक बार कौन सा प्रश्न उठता रहता था ?

३ लेखिका ने राजेन्द्र बाबू की वेशभूषा का वर्णन किस प्रकार किया है ?

अपठित गद्यांश

अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति होते हुए भी अपना कार्य स्वयं करने में विश्वास रखते थे| एक दिन वे स्वयं अपने जूते पॉलिश कर रहे थे | उन्हें जूते पॉलिश करते देखकर एक व्यक्ति ने आश्चर्य से पूछा - " आप अपने जूतों पर स्वयं पॉलिश करते हैं?" लिंकन मुसकुराकर कहा - " तो क्या आप दूसरों के जूते पॉलिश करते हैं?" प्रश्न शैली में दिए गए लिंकन के इस उत्तर से वह व्यक्ति बहुत शर्मिंदा हुआ | लिंकन का हँसी - मजाक में कहा गया यह कथन हमें सीख देता है, कि व्यक्ति कितने भी उच्च पद पर क्यों न पहुँच जाए ; परंतु उसे अपना कार्य स्वयं करने में कोई शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए | कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता| हर कार्य सम्माननीय होता है | कर्म ही पूजा है | कर्मनिष्ठ व्यक्ति ही ईश्वर का प्रिय भक्त होता कवि रविंद्रनाथ ठाकुर ने भी कहा था, की परमात्मा कर्मभूमि में चला गया है | अंत: हे पुजारी ! तू भजन - पूजन छोडकर कर्म कर, तभी तुझे ईश्वर प्राप्त हो सकेगा |

उपर्युक्त गद्यांश पढकर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो |

१ लिंकन कौन थे ?

२ लिंकन की कोई एक विशेषता लिखिए |

३ लिंकन का अपने जूते पॉलिश करना उस व्यक्ति के लिए आश्चर्य का कारण क्यों बना ?

४ कवि रविन्द्रनाथ ठाकुर ने पुजारी को क्या समझाया ?

५ लिंकन का कथन हमें क्या शिक्षा देता है ?

* निम्न शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए |

१. विस्मय -

_____

२. जिज्ञासा -

_____

* सादा जीवन उच्च विचार - विषय पर अनुच्छेद लिखिए|

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

* प्रत्यय की परिभाषा : जो शब्दांश शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं|

* निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाएँ|

१. पढ़ना - _____

२. बिछाना - _____

३. मथना - _____

४. अच्छा - _____